दिनांक : 08 फरवरी 2014

अगस्टा वैस्टलैंड के बारे में राज्य सभा में रक्षा मंत्री का बयान

– अरुण जेटली
राज्य सभा में विपक्ष के नेता

5 फरवरी, 2014 को रक्षा मंत्री ए. के. एंटनी ने राज्य सभा में एक बयान दिया। उनका बयान मीडिया में हुए खुलासे के सम्बन्ध में था, जिसमें इटली की अदालत में अभियोजन द्वारा दिए गए दस्तावेजों का हवाला दिया गया था। रक्षा मंत्री ने कहा कि श्री गीदो हसचेक से प्राप्त दस्तावेज में दो महत्वपूर्ण टिप्पणियां हैं। "एफएएम" शब्द 'परिवार' की तरफ जिक्र करता है, जो उनका मानना है कि त्यागी परिवार है। वह यह नहीं बता पाए कि "एपी" शब्द का जिक्र किसके लिए किया गया है। उन्होंने यह भी कहा कि श्री क्रिश्चियन माइकल द्वारा एक अन्य दस्तावेज में कुछ भारतीय नेताओं को निशाना बनाया गया है।

इसके बावजूद रक्षा मंत्री से स्पष्टीकरण मांगने की जरुरत है। मुझे लगता है कि संसद की कार्यवाही नहीं चलने के कारण उनसे स्पष्टीकरण मांगना संभव नहीं होगा। पहले मैं अपने संदेह रखता हूं, जो मैं चाहूंगा कि रक्षा मंत्री स्पष्ट करें।

इटली के दलाल से 15 मार्च 2008 को बरामद दस्तावेज भारत के बारे में इटली के दलाल की समझ को बताते हैं। इसमें "वीआईपी के पीछे श्रीमती गांधी का प्रेरक शक्ति के रुप में जिक्र है, वह एमआई–8 में अब नहीं जाएंगी।" इस दस्तावेज में विभिन्न मंत्रियों और पार्टी के पदाधिकारियों सहित उन लोगों की सूची है जो श्रीमती गांधी के गरीबी थे।

एकाउंट शीट अलग से मिली है, जिसमें "राजनीतिक" शीर्षक का इस्तेमाल किया गया है जिसमें ''एपी'' का जिक्र है। अगली प्रविष्टि "एफएएम" की है जिसका अर्थ परिवार से है।

स्पष्ट है कि इस सौदे में दलाली दी गई और भारतीय व्यवस्था को नुकसान पहुंचाया गया। ठेके को रद्द कर दिया गया। मैं पहले ही कह चुका हूं कि यह नोट शीट हमें 1987 में स्वीडन में बरामद मार्टिन आर्दबो की डायरी की याद दिलाती है जिसमें 'क्यों' शब्द का जिक्र था। आखिरकार यह स्पष्ट हो गया कि "क्यों" कौन है। क्या नोट शीट में शब्द का जो संक्षिप्त रुप दिया गया है उसका अर्थ निकालने के लिए राजनैतिक अखाड़े में क्या यह रॉकेट विज्ञान है ? क्या किसी बिचौलिए द्वारा 'परिवार' कहना विचित्र नहीं है?

जब किसी विशेष अर्थ को सहज ही समझा जा सकता है, तब 'परिवार' शब्द को भारत में जैसे समझा जाता है उससे अलग अर्थ क्यों निकाला जा रहा है?

*****